स्थापनावर्षम्-१९२८ भारते भातु भारती विक्रमसंवत्-२०८०-८१

सनातनधर्म-आदर्शसंस्कृतमहाविद्यालयः

डोहगी, जिल्ला-ऊना, हिमाचलप्रदेशः

भारतसर्वकारस्यादर्शसंस्कृतमहाविद्यालययोजनाधीनः, शिक्षामन्त्रालयेन स्वीकृतः,
नवदेहलीस्थकेन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयेन परिचालितः हिमाचलप्रदेशविश्वविद्यालयेन अनुमोदितश्च

प्रवेशविवरणिका (PROSPECTUS) 2023-24

प्राक्शास्त्री (द्विवर्षीया) शास्त्री (त्रिवर्षीया)
साहित्याचार्यप्रथमवर्षम् ज्योतिषाचार्यद्वितीयवर्षम्

ध्यातव्यम्- दर्शनाचार्यप्रथमवर्षम् वेदाचार्यप्रथमवर्षम्, व्याकरणाचार्यप्रथमवर्षम्
(विद्यार्थिनां न्यूनतमसङ्ख्याधारितम् शिक्षकोपलब्धताधारितंच भविष्यति)

दूरभाषः (कार्यालयः) 01975-262002
Website-www.dasmv.in
अणुसङ्केतः (E-mail) : asmvdohgi1928@gmail.com

Scanned with OKEN Scanner

प्राचार्यसन्देशः

(Principal's Message)

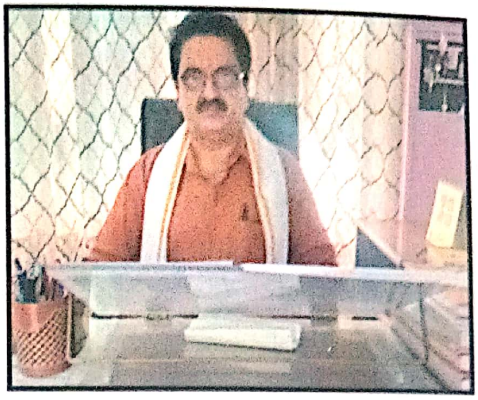

आज के भौतिकवादी युग में भौतिक विकास के उत्तरोतर वृद्धि के क्रमानुसार आध्यात्मिक विकास की अवनति हो रही है, जिसके कारण हमारा सांस्कृतिक पथ अवरूद्ध-सा हो गया है । इस भौतिकवादी युग से ही जापान, रूस, अमेरीका जैसे अतिविकसित देश गुजा चुके है और गुजर रहे हैं । परन्तु केवल भागदौड़ से इन देशों नें भौतिक क्षेत्र मेंही अपने आप को सङ्कुचित कर लिया है । जिसके परिणाम इन देशों के सभी वृद्ध, युवा एवं बाल्यावस्था वाले लोगों पर मानसिकविकार, मानसिकसन्ताप आदि के रूप में दिखता है ।

इन देशों के अनेकों भौतिकवादी उपायों से भी जब इन समस्याओं का हल न निकाला जा सका तो इन देशों ने वेद मन्त्र, देवीस्तोत्र तथा आदर्श सूक्तियों का श्रवण, अध्ययन एवं मनन करके शान्तिपथ का अन्वेषण करने में रूचि दिखा रहे हैं । नासा आदि संस्थानों के वैज्ञानिकों ने तो अध्यात्ममार्ग का एकमात्र साधन संस्कृतवाङ्मय को ही माना है । जिसके अनुसार अमेरीका जापान, चीन जैसे देशों में संस्कृतवाङ्मय का अध्ययन प्रारम्भ कर दिया है । इनके कथनानुसार आध्यात्मिकमूल्यों को खो देने से व्यक्ति की एकादश इन्द्रियां सम्यक् रूप से कार्य करने में असमर्थ हो जाती है । जिससे देश की भौतिकोन्नति के सामने फीकी पड़ जाती है । अत एव ये देश हमारी प्राच्यविद्या-परम्परा को अपनाकर अपने देश में उसके प्रचारार्थ एवं प्रसारार्थ प्रयत्नशील है ।

संस्कृत मात्र भाषा नहीं, अपि तु जीवनपद्धति है, भारत की आत्मा, भारतीय संस्कृति की पोषक एवं सुसंकारों की आगमस्थली है । वेद-वेदाङ्ग-पुराण-धर्मशास्त्र-तर्कशास्त्र सहित नृत्यसङ्गीतादि **64** कलाएँ, जीवनोपयोगी विज्ञान, खगोल, भूगोल, विधिशास्त्र,रसायनशास्त्र, प्राणिविज्ञान, चिकित्साविज्ञान, भूगर्भविज्ञान, अन्तरिक्षविज्ञान आदि के ज्ञान विज्ञान की गङ्गोत्री है - संस्कृत ।

यह महाविद्यालय गुरूकुल परम्परा को जीवित रखते हुए मानतावादी धर्म को आनुषङ्गिक बनाकर गुरू-शिष्य परम्परा को जीवित रखने का व्रत लिये **'सर्वजन सुखाय, सर्वजन हिताय च'** बनाने के लिए कृतसङ्कल्प है । संस्कृत के बिना भारत को पुनः विश्वगुरू बनाना सम्भव नहीं है । यह महाविद्यालय इस दिशा में प्रयत्नशील है । हम ने छात्रसङ्ख्या की अपेक्षा गुणवत्ता पर ध्यान दिया है । गुणवत्ता और अनुशासन के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करते ।

चिरकाल से यहाँ अध्ययनाध्यापन तथा विद्यार्थियों का व्यवहार गुरूकुल को दर्शाता है । यहाँ का एकान्त, वनप्रान्त, शुद्ध एवं शान्त वातावरण तपोस्थली का भान करवाता है । यह महाविद्यालय गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, अनुशासन तथा प्रतिभा विकास के अनेक अवसरों के लिए ख्याति प्राप्त है । केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय एवं शिक्षा मन्त्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली के प्रबन्धन का विशेष प्रोत्साहन महाविद्यालय की सतत् उन्नति का मार्ग प्रशस्त करता है । बहुमुखी अनेक विशेषताओं से सम्पन्न इस शिक्षणसंस्थान का लाभ उठाने के लिए मैं सब का आह्वान करता हूँ ।

जयतु संस्कृतम् । **जयतु भारतम् ।** **जयतु हिमाचलः ।**

प्राचार्य

(डॉ. लालसिंह पठानिया)

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रमणिका (Contents)

प्राचार्यसन्देशः (Principal's Message)

महाविद्यालयस्य परिचयः (Introduction of College)

संकायसदस्याः कर्मचारिणश्च (Staff Members)

कार्यक्रमानुसारं दायित्वम् (Incharge According to Programme)

प्रवेशतिथयः (Admission-Schedule)

प्रवेशनियमाः (Admission Criteria)

अनुशासनम् (Discipline)

उपस्थितिः (Attendence)

गणवेशः (Uniform)

अवकाशसुविधा (Leave Facility)

परीक्षाकार्यक्रमः

प्राक्शास्त्रि-आचार्यपरीक्षाकार्यक्रमः (OT/MIL Examination-Schedule)

शास्त्रिपरीक्षाकार्यक्रमः (RUSA Examination-Schedule)

विश्वविद्यालयपरीक्षाहेतु न्यूनतमा पात्रता (Minimum Eligibility for University-Examination)

मातृसंस्था (Parent Body)

महाविद्यालयस्योपलब्धयः (College Achievements)

छात्रवृत्तयः (Scholarships)

क्रीडाव्यवस्था (Sports Activities)

शास्त्रीयव्याख्यानमाला (Lecture of Series)

वाग्वर्द्धिनी सभा

गीताजयन्ती (Gita Jayanti)

***महाविद्यालयसमितयः* (College-Committees)**

प्रवेशसमितिः (Addmission Committee)

संस्कृतछात्रपरिषत् (Sanskrit Student-Council)

छात्रकल्याणसमितिः (Student-Welfare Committee)

रैगिंगनिषेधसमितिः (Anti-Ranging Committee)

महिलासुरक्षाप्रकोष्ठः (Women Security Cell)

स्वच्छभारत-अभियानम्, आपदाप्रबन्धनपरिसरसज्जासमितिः
(Clean India Campaign, Disaster Management)

Scanned with OKEN Scanner

उपस्करक्रयविक्रयः/मुरम्मतसमितिः

पुस्तकालयसमितिः (Library Committee)

क्रीडासमितिः (Sports Committee)

योगसमितिः (Yoga Committee)

शिक्षामन्त्रालयभारतसर्वकारस्य आदर्शमहाविद्यालययोजनान्तर्गताः केन्द्रीय-आदर्शमहाविद्यालयस्य समितयः

प्रबन्धसमितिः (Management Committee)

वित्तसमितिः (Finance Committee)

भवनसमितिः (Building Committee)

शैक्षणिकसमितिः (Academic Committee)

पुस्तकालयः (Library)

दैनिकवार्तापत्राणि (Daily-Newspapers)

वार्षिकी योजना (Annual Planning)

महाविद्यालयेन प्रस्तावितविशेषायोजनानि (Proposed Celebrations by College)

राजपत्रिताराजपत्रितावकाशाः (प्रदेशसर्वकारानुसारम्)

प्रवेशसमये देयशुल्क-विवरणम् (Detail of Admission Fees)

अनुपस्थितिदण्डशुल्कम् (Absent-Fine)

सरस्वती-स्तवनम्

प्रवेशार्थम् आवेदनम्

Admission Form

Anti-Ragging Affidavit

Anti-Ragging Unertaking

अदेयपत्रकम् (No Dues Form)

Scanned with OKEN Scanner

महाविद्यालयस्य परिचयः

(Introduction of College)

ग्रामेषु उच्चशिक्षायाः विकासाय, भारतीयसंस्कृतेः ज्ञानप्रसाराय च आधारभूतसंस्कृत-हिन्दीभाषासंस्थाया आवश्यकता वर्तते इत्यवबुद्ध्य जनसहयोगेन १९२८ तमे क्रैस्ताब्दे हिमाचलप्रदेशस्यैतिहासिके स्थले डोहगीनाम्नि ग्रामे देवभाषाऽऽराधनतत्पराः सनातनधर्मसभायाः सञ्चालकाः तथा च संस्कृतानुरागिणो नागरिकाः संस्कृतपाठशालां स्थापितवन्तः । ग्रामोऽयम् ऊना-मण्डलान्तर्गत-बंगाणा-उपमण्डलस्य मुख्यालयात् किलोमीटरद्वयं दूरे हमीरपुर-राजमार्गस्य वामभागे तथा च ऊनातः त्रिंशत्-किलोमीटरदूरे दक्षिणपूर्वस्यां दिशि षोडशशृङ्गस्यङ्के विराजमानः प्रकृतिक्रोडे क्रोड्यमाने अनुपमां शोभामादधनश्च वर्तते । स्थापनासमये संस्थेयं काङ्गडामण्डले आसीत् ।

विंशतितमशताब्याः पूर्वार्द्धे यदा अस्माकं देशः पराधीनः आसीत् तदानीं क्षेत्रीयनिरक्षरतां समापयितुं प्रथमम् अस्याः संस्थायाः जन्म संस्कृतपाठशालारूपेण अभवत् । तत्कालीनाः धर्मनिष्ठाः विद्वांसः ग्रामवासिनश्च अस्य उद्देश्यस्य पूर्तये स्वयोगदानं दत्तवन्तः । यद्यपि संस्थेयं समये-समये आर्थिक-सामाजिक-राजनैतिकसङ्कटैः अभिभूता, तथापि संस्कृतानुरागीणां सहयोगेन शनैः शनैः प्रगतिं सम्प्राप्ता । अत्रारम्भे संस्कृत-हिन्दी-भाषायां अनन्तरं पञ्जाबविश्वविद्यालयस्य प्राज्ञकक्षापर्यन्तं शिक्षायाः प्रबन्धोऽभवत् ।

अस्याः प्रथम सम्बद्धता (एफिलिएशन) पंजाबविश्वविद्यालयः चण्डीगढतः, ततश्च १९७१ तमे वर्षे सम्बद्धतायाः स्थानान्तरणं हिमाचलप्रदेशविश्वविद्यालये शिमलायां सञ्जातम् । तदनन्तरं शास्त्रिपर्यन्तं शिक्षाव्यवस्था अभवत् । १९८४ तमवर्षतः अत्र आचार्यकक्षा प्रचलति । सम्प्रति उपलब्धशिक्षकैः आचार्यकक्षाः अपि चाल्यन्ते ।

१९६६ तः मार्च १९९३ पर्यन्तं संस्थायै हिमाचलसर्वकारद्वारा सहायतानुदानं दीयते स्म, परं तदनु अप्रैल, १९९३ वर्षतः सौभाग्यात् महता प्रयासेन च भारतसर्वकारस्य शिक्षामन्त्रालयस्यान्तर्गत-आदर्शयोजनायां महाविद्यालयोऽयम् अधिगृहीतः । सम्प्रति नवदेहलीस्थकेन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयमाध्यमेन शिक्षामन्त्रालयः अस्य सञ्चालनं करोति । महाविद्यालयस्य विकासाय भारतसर्वकारेण मनोनीतसदस्यानामेका प्रबन्धसमितिरपि योजनानुगुणं कार्याणि पश्यति ।

अत्र प्रदेशस्य अनेकेभ्यः मण्डलेभ्यः आगत्य विद्यार्थिनः शिक्षां लभन्ते, लब्धविद्याः ते ऊना मण्डलातिरिक्तं शिमला-सिरमौर-सोलन-किन्नौर-लाहौलस्पीति-कुल्लू-काङ्गडा-मण्डी-चम्बा-हमीरपुरादिद्वादशजनपदेषु तथा च भारतस्य विभिन्नेषु प्रान्तेषु शिक्षणस्य कृते शास्त्रिपदे आचार्यपदे तथा च विश्वविद्यालयेषु विधानसभा-संसद्-डाकविभाग-परिवहन-भारतीयसेना-पर्यटन-चिकित्साज्योतिषविज्ञान-वास्तुशास्त्रादिविविधभागेषु उच्चपदेषु नियुक्ता अपि सन्ति ।

अत्र संस्कृत-साहित्य-व्याकरण-दर्शन-ज्योतिष-वेदोपनिषत्-पुराण-न्यायसाङ्ख्यवेदान्तादिशास्त्राणि आङ्ग्लभाषा-हिन्दी-सङ्गणकादि-आधुनिकविषयानधिकृत्य छात्राः शास्त्रि-स्नातकार्थं तथा च साहित्यज्योतिषादि-विषयेषु आचार्य-स्नातकोत्तर-उपाधिहेतोरध्ययनं कुर्वन्ति।

Scanned with OKEN Scanner

महाविद्यालय का परिचय

गाँव में उच्चशिक्षा, भारतीय संस्कृति एवं वैदिकपद्धति के विकास के लिए तथा हमारी सभ्यता संस्कृति की आधारभूत संस्कृत-हिन्दी भाषा के विकासहेतु शिक्षण संस्था की आवश्यकता का अनुभव करके डोहगी समीपस्थ धर्मप्राण नागरिकों ने सनातन-धर्म सभा का गठन करके उसके माध्यम से संस्कृत तथा हिन्दी पाठशाला की स्थापना **1928** में तत्कालीन कांगडा जनपद के अन्तर्गत डोहगी गाँव में की थी। तब से महाविद्यालय उत्तरोत्तर प्रगति पथ पर है। सोलहशृङ्गी शृङ्खला की तलहटी में विकसित यह महाविद्यालय संस्कृत की सेवा में उन्नत स्थान बनाए हुए है।

हिन्दी एवं संस्कृत भाषा के साथ-साथ ज्योतिष तथा कर्मकाण्ड की प्रारम्भिक शिक्षा के लिए इस पाठशाला का सभी नागरिकों के हृदय में श्रद्धा का स्थान रहा है। स्थानीय नागरिकों ने अपनी भूमि दान करके इस महाविद्यालय के निर्माण में सराहनीय योगदान किया। सर्वप्रथम सह संस्था पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ से सम्बद्ध थी। **1971** से हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला से सम्बद्धता स्थानान्तरित हुई थी। **1966** से महाविद्यालय को हिमाचलप्रदेश सरकार का वित्तीय अनुदान मार्च **1993** तक प्राप्त होता रहा।

सौभाग्यवश तथा अथक प्रयासों के फलस्वरूप १९९३ से भारत सरकार के 'शिक्षा मन्त्रालय' के अन्तर्गत आदर्श योजना में यह महाविद्यालय अधिगृहीत किया गया।

सम्प्रति इसका परिचालन केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जनकपुरी, नई दिल्ली के दिशा निर्देशन तथा मानव संसाधन विकास मन्त्रालय भारत सरकार के वित्तपोषण में हो रहा है, जिसका प्रबन्ध एक उच्च स्तरीय प्रबन्ध समिति द्वारा होता है, जो आदर्श योजना में निर्दिष्ट नियमानुसार शिक्षामन्त्रालय, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जनकपुरी, नई दिल्ली के द्वारा हो रहा है।

महाविद्यालय की शिक्षण व्यवस्था, गुणवत्ता, अनुशासन एवं उत्तम प्रबन्धन के चलते प्रदेश के ऊना जिले के अतिरिक्त शिमला-सिरमौर-सोलन-किन्नौर-लाहुलस्पीति-कुल्लू-काङ्गड़ा-मण्डी-चम्बा-हमीरपुर-बिलासपुर आदि प्रायः सभी जिलों से छात्र एवं छात्राएँ यहाँ आकर पढ़ रहे हैं। यहाँ के स्नातक परास्नातक शिक्षकों के अतिरिक्त अनेक उच्चपदों पर भी कार्यरत हैं।

इस महाविद्यालय में संस्कृत साहित्य, व्याकरण, दर्शन, ज्योतिष, वेद उपनिषद, पुराण, न्यायशास्त्रादि पारम्परिक विद्याएँ पढ़ाने वाले आचार्य दीर्घ अनुभवी एवं योग्य हैं। विद्यार्थी यहाँ आकर साहित्य, व्याकरण, दर्शन, ज्योतिष आदि परम्परागत शास्त्र एवं अंग्रेजी, हिन्दी, कम्प्यूटरविज्ञान आदि आधुनिक विषयों के साथ शास्त्री, आचार्य आदि की उपाधियाँ बहुतायत में प्राप्त करते हैं।

"यन्मनसा मनुते तद्वाचा वदति।

यद्वाचा वदति तत्कर्मणा करोति॥

Scanned with OKEN Scanner

संकायसदस्याः (Faculty Members)

नियमितशैक्षणिकस्टाफ

(Regular Teaching Staff)

क्रमाङ्कः	नाम	पदम्	सम्पर्कसूत्रम्
1.	डॉ० लालसिंह पठानिया	प्राचार्यः (प्र.)	94185-49192
2.	डॉ० केदारदत्तपुरोहितः	सहाचार्यः, व्याकरणविभागः	96255-89801
3.	डॉ० रविदत्तशर्मा	सहाचार्यः, साहित्यविभागः	94184-60473
4.	डॉ० राजिन्द्रकुमारशर्मा	सहाचार्यः, व्याकरणविभागः	98172-97770
5.	डॉ० कृष्णमोहनपाण्डेयः	सहायकाचार्यः, वेदविभागः	97369-77002
6.	डॉ० कृष्णादेवी	सहायकाचार्यः, आङ्ग्लभाषाविभागः	94183-54549
7.	डॉ० मुकेशकुमारः	सहायकाचार्यः, ज्योतिषविभागः	78955-95582

शिक्षणेतरस्टाफ (Non-Teaching Staff)

क्रं.	नाम	पदम्	सम्पर्कसूत्रम्
1.	श्रीविपिनचन्दपटियालः	वरिष्ठकार्यालयसहायकः	82190-87285
2.	श्रीरविः	लेखाकारः	98166-45411
3.	श्रीमती अञ्जुकुमारी	पुस्तकालयसहायिका	94182-87381

अतिथिशिक्षकाः (Guest-Teachers)

क्रं.	नाम	पदम्	
1.	दर्शनप्राध्यापकः	अतिथिशिक्षकः, दर्शनविभाग	
2.	हिन्दीप्राध्यापकः	अतिथिशिक्षकः, हिन्दी-विभागः	
3.	पर्यावरणप्राध्यापकः	अतिथिशिक्षकः	
4.	रिक्त पद	सङ्गणकानुदेशकः	

कर्मचारिणः (आउटसोर्सद्वारा) (Outsource-Staff)

1.	कनिष्ठलिपिकः- 1	आउटसोर्सद्वारा
2.	चपड़ासी - 1	आउटसोर्सद्वारा
3.	चपड़ासी - 1	आउटसोर्सद्वारा
4.	प्रहरी (चौकीदार) 1	आउटसोर्सद्वारा
5.	सफाईकर्मचारी 1	आउटसोर्सद्वारा

Scanned with OKEN Scanner

कार्यक्रमानुसारं दायित्वम्

(Incharge According to Programme)

विविधप्रकल्पसञ्चालनाय निम्नानुसारं शिक्षकाः प्रभारिणः मंस्यन्ते, तथापि आवश्यकतानुसारं मध्येऽपि परिवर्तनं व शक्यते, तस्य सूचना यथासमयं दास्यते । विद्यार्थिनः सम्बद्धकार्यार्थं सर्वप्रथमं प्रभारिणमनुकरिष्यन्ति विशेषपरिस्थितौ प्राचार्य पुरतः समस्याः स्थापनीयाः । केषुचिद् विषयेषु कार्यालयीयाधिकारिणः उत्तरदायित्वं वहन्ति ।

विभागः/ आयोजनम्	*प्रभारी/संयोजकः*
क्रीडाव्यवस्था	**डॉ० लालसिंहपठानिया**
संस्कृतसप्ताहायोजनम्	डॉ० केदारदत्तपुरोहितः
शिक्षकदिवसः	डॉ० रविदत्तशर्मा
स्वच्छभारताभियानम् एवं स्वास्थ्यविभागकार्यक्रमाः	डॉ राजिन्द्रकुमारशर्मा
गीताजयन्ती गणतन्त्रदिवसः तथा स्वतन्त्रतादिवसः	डॉ० कृष्णमोहनपाण्डेयः
योग्यतापरीक्षा, महिलाप्रकोष्ठः, छात्रपरिषत् च	डॉ० कृष्णादेवी
नोडल अधिकारी	श्रीरविः (लेखाकारः)
संस्कृतप्रतियोगिताः तथा संस्कृतसम्भाषणशिबिरव्यवस्था	डॉ० मुकेशकुमारः
वैबसाईटप्रवर्तन	डॉ० मुकेशकुमारः
व्याख्यानमाला/सङ्गोष्ठी	डॉ० कृष्णमोहनपाण्डेयः, डॉ० मुकेशकुमारः, दर्शनशिक्षकश्च
आयोज्यमानकार्यक्रमेषु सामग्री-संसाधनादिव्यवस्था	श्रीमती अञ्जुकुमारी
पत्रिकादिप्रकाशनम्, विश्वयोगदिवसः योगप्रशिक्षणं च	दर्शन-प्राध्यापकः
दैनिकोपस्थितिः सामान्यानुशासनं च	हिन्दी-प्राध्यापकः
पर्यावरणदृष्ट्या परिसरसज्जा	पर्यावरणशिक्षकः

प्रवेशतिथयः

(Admission-Schedule)

प्राक्शास्त्री (प्रथमवर्षम, द्वितीयवर्षम्)

आवेदन भरकर जमा करने की तिथि	17-04-2023 से 05-05-2023
विलम्बशुल्क (१० रूपये प्रतिदिन) सहित प्रवेश	06-05-2023 से 15-05-2023

Scanned with OKEN Scanner

शास्त्री (प्रथम-द्वितीय-तृतीयवर्षम्), तथा आचार्य कक्षा में

आवदेन भरकर जमा करने की अन्तिम तिथि	विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार
शुल्क जमा करने की अन्तिम तिथि	विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार
विलम्बशुल्क (१० रूपये प्रतिदिन) सहित प्रवेश	विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार
शिक्षण का आरम्भ	विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार

नोट:-

१. परीक्षा परिणाम की प्रतीक्षा किये बिना सभी को प्रवेश निर्धारित समय पर लेना होगा।

२. निर्धारित समय पर प्रवेश लेने वालों को ही छात्रवृत्ति, निःशुल्क पुस्तकें तथा अन्यविशेष लाभ के लिए अर्ह माना जाएगा।

प्रवेशार्थं न्यूनतमाः योग्यताः

(Minimum Admission-Eligibilities)

हिमाचलप्रदेशविश्वविद्यालयनियमानुसारं विविधकक्षासु प्रवेशार्थं न्यूनतमाः योग्यताः निम्नाङ्किताः सन्ति

(Admission-Eligibilities according to Himachal Pradesh University rules)

क्रमः	*कक्षा*	*प्रवेशार्थं योग्यता*
१.	आचार्यप्रथमवर्षम्	तत्सम्बद्धविषये शास्त्री/विशिष्टशास्त्री/समकक्षपरीक्षोत्तीर्णः
२.	आचार्यद्वितीयवर्षम्	तत्सम्बद्धविषये आचार्यप्रथमवर्षपरीक्षोत्तीर्णः
३.	प्राक्शास्त्रिप्रथमवर्षम्	मैट्रिक/समकक्षपरीक्षोत्तीर्णः
४.	प्राक्शास्त्रिद्वितीयवर्षम्	प्राक्शास्त्रिप्रथमवर्षपरीक्षोत्तीर्णः

राष्ट्रीय-उच्चशिक्षा-अभियानम् (रूसा) इति नियमेन प्रवेशार्थं योग्यताः

(Admission-Eligibilities according to RUSA-rules)

क्रमः	*कक्षा*	*प्रवेशार्थं योग्यता*
१.	शास्त्रिप्रथमवर्षम्	प्राक्शास्त्रि/१०+२/विद्याविनोदः/उत्तरमध्यमा भागः-२
२.	शास्त्रिद्वितीयवर्षम्	शास्त्रिप्रथमवर्षपरीक्षोत्तीर्णः
३.	शास्त्रितृतीयवर्षम्	शास्त्रिद्वितीयवर्षपरीक्षोत्तीर्णः

Scanned with OKEN Scanner

प्रवेशनियमाः

(Admission of Criteria)

क) हिमाचलप्रदेशविश्वविद्यालयेन निर्धारितयोग्यतामभिलक्ष्यैव अग्रिमकक्षासु प्रवेशः सम्भवोऽस्ति ।

ख) पूर्वसंस्थायाः परित्यागपत्रेण सह चारित्रिकं प्रमाणपत्रमपि अनिवार्यम् ।

ग) यैः अन्येभ्यो विश्वविद्यालयेभ्यो योग्यताप्रमाणपत्राणि अधिगतानि, तैः प्रव्रजनप्रमाणपत्रम् (Migration) देयं भविष्यति।

घ) आधार-कार्ड-प्रमाणपत्रस्य प्रतिलिपिः आवश्यकी ।

ङ) जन्मतिथिप्रमाणकं प्रमाणपत्रम् आवश्यकम् ।

च) विश्वविद्यालयेन अपात्रिकृतविद्यार्थिनः हिमाचलप्रदेशविश्वविद्यालयस्य (शिमलायाः) कुलपतेराज्ञां विना प्रवेष्टुमनर्हाः

छ) चारित्रिकदृष्ट्या दोषभाजां प्रवेशार्थीनां कृते प्रवेशः निषिद्धः ।

ज) आवेदनपत्रेण सह अभिज्ञानपत्रमपि सचित्रं सम्पूर्यं कार्यालये दातव्यम् ।

झ) अर्हताऽभाववतां तथा च सन्दिग्धचरित्रवतां प्रवेशार्थीनां प्रवेशं निरोद्धुं प्राचार्य एव सक्षमः ।

ञ) संरक्षकत्वेन प्रवेशकाले माता-पिता अभिभावको वा विद्यार्थिना सह आनेतव्यः ।

ट) अन्यः कश्चित् स एवाभिभावको भवितुमर्हति य आवर्षं विद्यार्थिनः सर्वविधं दायित्वं निर्वहेत् ।

ठ) सद्यः प्राप्तच्छायाचित्रद्वयं संश्लेषणीयं भवति ।

ड) प्रवेशकाले सर्वाणि मूलप्रमाणपत्राणि तथा च तेषां एकैका स्वप्रमाणिता वा प्रतिलिपिः अपेक्षते ।

प्रवेश-नियम

(Rules of Admission)

क) हिमाचलप्रदेशविश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित योग्यतानुसार अगली कक्षाओं में प्रवेश सम्भव है ।

ख) पूर्वसंस्था के परित्याग पत्र के साथ चरित्र प्रमाण पत्र अनिवार्य है ।

ग) अन्य विश्वविद्यालय से आने वाले छात्र स्थानान्तरणप्रमाणपत्र (Migration) संलग्न करें ।

घ) आधार-कार्ड की प्रमाणित छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य है ।

ङ) जन्मतिथि के लिए दसवीं का प्रमाणपत्र अनिवार्य है ।

च) विश्वविद्यालय परीक्षा में अपात्रीकृत विद्यार्थी हिमाचलप्रदेशविश्वविद्यालय (शिमला) के कुलपति की अनुमति के बिना प्रविष्ट नहीं होगें ।

छ) चरित्र की दृष्टि से सन्दिग्ध विद्यार्थी का प्रवेश निषिद्ध है ।

ज) प्रवेश-आवेदन-पत्र के साथ परिचय-पत्र भी सचित्र कार्यालय में दें ।

झ) योग्यतारहित तथा सन्दिग्धचरित्र वाले विद्यार्थियों का प्रवेश प्राचार्य ही रोकने में सक्षम है ।

ञ) संरक्षक के रूप में विद्यार्थी प्रवेश के समय माता, पिता या अभिभावक को साथ लाएं ।

ट) अभिभावक वही हो जो वर्षभर विद्यार्थी की सर्वविध गतिविधियों पर ध्यान दे ।

ठ) नवीनतम दो छायाचित्र आवेदन-पत्र के साथ अवश्य संलग्न करें ।

ड) प्रवेश के समय मूलप्रमाणपत्र एवं उनकी एक एक स्वप्रमाणित प्रतिलिपि अपेक्षित है ।

Scanned with OKEN Scanner

अनुशासनम्

(Discipline)

१. महाविद्यालयस्य कोऽपि विद्यार्थी कस्मिन्नपि राजनैतिकान्दोलने, वस्तुखण्डविखण्डने अथवा विप्लवे (अनुशासनहीनकार्ये) भागं ग्रहितुं न शक्ष्यति ।

२. प्रवेशसमये निश्चितानां यथासमयं निर्मितानाञ्च नियमानामनुपालनमावश्यकम् ।

३. प्राचार्यमहोदयस्यादेशानुसारं महाविद्यालयस्य नानाकार्यकलापेषु भागग्रहणमपि सर्वेषां कृतेऽनिवार्यम् ।

४. अकारणं कार्यालयगमनं कक्षासु पाठ्येतरपत्रपत्रिकाणामानयनञ्च निषिद्धम् ।

५. संस्कृतविकासात्मककार्यक्रमेषु सर्वेषामुपस्थितिः वैधानिकी आनुषङ्गिकी च ।

६. महाविद्यालये प्रवेशस्य, परीक्षायामुपवेशनस्य, दण्डशुल्कस्य तथा तस्य क्षमायाः, अनुशासनहीनकार्यकलापाय देयस्य विशेषदण्डस्य, निष्कासनस्य च विश्वविद्यालयनियमानुसारं प्राचार्यमहोदस्य पार्श्वे पूर्णाधिकाराः सन्ति ।

७. अपराधानुसारं दशरूप्यकतः रूप्यकाणां शतं यावत् विशेषदण्डशुल्कं देयं भविष्यति ।

८. व्याख्यानकाले प्राध्यापकेभ्यः अधिकारो भविष्यति यत् ते अनुशासनविहीनं छात्रं/छात्रां स्वकक्षातः निःसारयेन् दण्डयितुञ्च प्राचार्यमहोदयं निवेदयेरन् ।

९. कोऽपि विद्यार्थी प्राचार्यमहोदयस्य हस्ताक्षरं विना कामपि सूचनां सूचनापट्टे स्थापयितुं न शक्ष्यति ।

१०. वाग्वर्द्धिनीसभायां तथा महाविद्यालयस्य समायोजितेषु कार्यक्रमेषु सर्वेषां भागग्रहणम् अनिवार्यं वर्तते ।

११. महाविद्यालये कक्षासमये प्राचार्यमहोदयस्य अनुमतिं विना कोऽपि विद्यार्थी केनापि अपरिचितेन सह मेलितुं न शक्ष्यति ।

१२. महाविद्यालयपरिसरे दूरभाषस्य प्रयोगः निषिद्धः । विशेषपरिस्थितौ अनुमतिः आवश्यकी ।

१३. भारतस्य उच्चतमन्यायालयादेशानुसारं हिमाचलप्रदेशविश्वविद्यालयस्य निर्देनुसारं च महाविद्यालये 'रैगिङ्ग इत्यस्य पूर्णरूपेण प्रतिबन्धनमस्ति । उल्लङ्घनकर्तारो विद्यार्थिनो निष्कासनादिदण्डभाजः भविष्यन्ति ।

१४. प्रातः १०:०० वादनतः अन्तिमाऽन्तरपर्यन्तं परिसराद् बहिर्गमनं निषिद्धं दण्डनीयञ्च भविष्यति ।

अनुशासनम्

((Discipline)

१. महाविद्यालय का कोई भी छात्र/छात्रा किसी राजनैतिक आन्दोलन में तोड़-फोड़ अथवा विप्लव (अनुशासनहीन कार्य) में भाग नहीं ले सकता ।

२. प्रवेश-समय में संचालित किये गये तथा समय-समय पर बनाये गये नियमों का पालन करना जरूरी है ।

३. प्राचार्यमहोदय के आदेशानुसार महाविद्यालय के सभी क्रिया-कलापों में भाग लेना सभी के लिए अनिवार्य है ।

४. विना किसी कारण के कार्यालय में जाना, कक्षा में पाठ्येतर पत्र-पत्रिकाओं को लाना निषिद्ध है ।

५. संस्कृत के विकासात्मक कार्यक्रमों में सभी की उपस्थिति वैधानिक तौर पर अनिवार्य है ।

६. महाविद्यालय में प्रवेश का, परीक्षाओं में बैठने का, दण्डशुल्क का, क्षमा करने का, अनुशासनहीन कार्य के लिए देय विशेष दण्ड का और निष्कासन का विश्वविद्यालय के नियमानुसार प्राचार्यमहोदय को अबाध और पूर्णाधिकार है ।

७. अपराध के अनुसार १० रूपये से लेकर १०० रूपये तक विशेष दण्डशुल्क देय होगा ।

Scanned with OKEN Scanner

८. शिक्षकों को व्याख्यान के समय अधिकार होगा कि अनुशासनहीन विद्यार्थी को कक्षा से निकाल दें और दण्ड देने के लिए प्राचार्य महोदय से निवेदन करें।

९. कोई भी विद्यार्थी प्राचार्यमहोदय के हस्ताक्षर के बिना किसी भी सूचना को सूचनापट्ट पर नहीं लगा सकता।

१०. वाग्वर्द्धिनीसभा तथा महाविद्यालय में आयोजित सभी कार्यक्रमों में भाग लेना सभी के लिए अनिवार्य है।

११. महाविद्यालय में कक्षा के समय कोई भी विद्यार्थी प्राचार्यमहोदय की आज्ञा के बिना किसी अपरिचित से नहीं मिल सकता है।

१२. महाविद्यालय परिसर में दूरभाष का प्रयोग निषिद्ध है। विशेष परिस्थिति में अनुमति आवश्यक है।

१३. भारत के उच्चतमन्यायालय एवं हिमाचलप्रदेशविश्वविद्यालय के आदेशानुसार महाविद्यालय में रैगिंग पर पूर्ण प्रतिवन्ध है। उल्लङ्घनकर्ता विद्यार्थी निष्कासनादि दण्ड के भागी होंगे।

१४. प्रातः १०:०० बजे से लेकर अन्तिम अन्तर पर्यन्त परिसर-त्याग दण्डनीय होगा।

उपस्थितिः (Attendance)

सम्पूर्णव्याख्यानेषु न्यूनतम-पञ्चसप्ततिप्रतिशतं (७५) उपस्थितिः विश्वविद्यालयीयपरीक्षायां प्रवेशाय आवश्यकी विद्यते, अन्यथा विश्वविद्यालयीयपरीक्षार्थम् अपात्रता घोषयितुं शक्यते। सांस्कृतिक-क्रीडाप्रतियोगीनां कृते, संस्कृतवाहिनीसदस्यानां च कृते वैदिककर्मकाण्डच्छात्राणां कृते अथ च संस्कृतसम्भाषणशिविरचालकानां कृते उपस्थितिं शिथिलयितुं समर्थः प्राचार्यमहोदयः।

गणवेशः (Uniform)

प्राक्शास्त्री-शास्त्री-आचार्यकक्षाबालकानां कृते -श्वेतधौतवस्त्रम्, श्वेतकरांशुकम् (सफेद धोती-कुर्ता)
अथ वा श्वेतकरांशुकम् (सफेद कुर्ता-पायजामा)
अथ वा कृष्णम् उरुकम्, श्वेतयुतकम, कृष्णप्रावारकम् (काली पेण्ट, सफेद शर्ट, काला कोट अथवा स्वेटर)
प्राक्शास्त्री-शास्त्री-आचार्यकक्षाबालिकानां कृते - पाटलवर्णशाटिका अथवा पाटलवर्णसलवार-कमीज

अवकाशसुविधा (Leave-Facility)

आवर्षं विद्यार्थिनः षडवकाशान् (६ अवकाशान्) प्राप्तुं शक्नुवन्ति। एतदतिरिक्तम् अनुपस्थितिः मंस्यते। पञ्चदिवसादधिकम् अवकाशार्थं प्राचार्यमहोदयस्य स्वीकृतिरनिवार्या। किन्तु षड्दिनानन्तरं नाम स्वतः निरस्तं भविष्यति पञ्चदिनात् पूर्वमेव प्राचार्यमहोदयस्य अनुमत्या पुनः प्रवेशः सम्भवः। विशेषपरिस्थितौ छात्रस्य आचरणं दृष्ट्वा षड्दिनात् पूर्वमपि प्राचार्यमहोदयो निष्कासयितुं शक्नोति। प्रत्यन्तरं रुप्यकमेकम् अनुपस्थितिदण्डशुक्लरूपेण दातव्यं भविष्यति। स्वास्थ्यावकाशाय राजकीयचिकित्सकस्य प्रमाणपत्रमेव मान्यं भविष्यति।

Scanned with OKEN Scanner

परीक्षाकार्यक्रमः

(Examination-Schedule)

दिसम्बरमासस्य द्वितीयसप्ताहे योग्यतापरीक्षा भवति । एषा विश्वविद्यालयवार्षिकपरीक्षापात्रतानिमित्तम् अनिवार्या । योग्यतापरीक्षायाम् अनुपस्थितविद्यार्थिनां कृते प्रतिपत्रं २५ रूप्यकं देयं भवति । पुनः परीक्षाशुल्कं ५० रूप्यकमपि देयं भवति । परीक्षाविभागस्य प्रभारी ***डॉ० कृष्णादेवी*** मनोनीता अस्ति ।

प्राक्शास्त्रि-आचार्यपरीक्षाकार्यक्रमः (OT/MIL Examination-Schedule)

कक्षा	*योग्यतापरीक्षा*	*विश्वविद्यालयपरीक्षा*
प्राक्शास्त्रिप्रथमवर्षम्	दिसम्बर, 2023	अप्रैल-मई 2024
प्राक्शास्त्रिद्वितीयमवर्षम्	दिसम्बर, 2023	अप्रैल-मई 2024
आचार्यः (प्रथम/द्वितीयवर्षम्)	दिसम्बर, 2023	अप्रैल-मई 2024

शास्त्रिपरीक्षाकार्यक्रमः (Examination-Schedule)

कक्षा	*आन्तरिकम्/योग्यतापरीक्षा*	*विश्वविद्यालयपरीक्षा*
शास्त्रिप्रथमवर्षम्	दिसम्बर, 2023	अप्रैल-मई 2024
शास्त्रिद्वितीयवर्षम्	दिसम्बर, 2023	अप्रैल-मई 2024
शास्त्रितृतीयवर्षम्	दिसम्बर, 2023	अप्रैल-मई 2024

विश्वविद्यालयपरीक्षाहेतु न्यूनतमा पात्रता

(Minimum Eligibility for University-Examination)

१. नियमितप्रवेशः ।
२. विद्यार्थिनः सच्चरित्रप्रमाणपत्रम् ।
३. पूर्वकक्षायामुत्तीर्णः ।
४. न्यूनतमं ७५% व्याख्यानम् ।
५. योग्यतापरीक्षायामुत्तीर्णः ।
६. निर्दिष्टेषु सांस्कृतिक-क्रीडा-स्वच्छताभियान-व्याख्यानमाला-सम्मेलनादिषु सदैव उपस्थितिः ।

मातृसंस्था (Parent Body)

सनातनधर्मसभा, डोहगी अस्य महाविद्यालयस्य मातृसंस्थारूपेण प्रबन्धने सहयोगं करोति । आदर्शमहाविद्यालयकेन्द्रीयप्रबन्धसमितौ मातृसंस्थायाः एकः प्रतिनिधिसदस्यो

Scanned with OKEN Scanner

महाविद्यालयस्य उपलब्धयः (College - Achievements)

उत्तरक्षेत्रीयरूपकमहोत्सवः (North Zone Drama Competition) (दिनांकः- 28 दिसम्बर, 2022)

आयोजकसंस्था- केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः, श्रीरणवीरपरिसरः जम्मूः

महाविद्यालयेन प्राप्तः पुरस्कारः - तृतीयपुरस्कारः (2000 रूप्यकाणि)

नाटकस्य नाम - महावीरचरितम् नाटकनिर्देशकः - १. श्री विनोदकुमारः

मार्गदर्शकाः - डॉ. मुकेशकुमारः २. डॉ. अविनाशमिश्रः ३. श्री अश्विनीकुमारः

अखिलभारतीयरूपकमहोत्सव : (All India Drama Competition) (दिनांक 02-04 फरवरी, 2023)

आयोजकसंस्था- केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः, श्रीसदाशिवपरिसरः पुरी, ओडिशा

रूपकस्य नाम - महावीरचरितम् नाट्यनिर्देशकः - श्रीविनोदकुमारः

मार्गदर्शकाः - डॉ. मुकेशकुमारः २. डॉ. अविनाशमिश्रा ३. श्रीअश्विनीकुमारः

महाविद्यालयेन प्राप्ताः पुरस्काराः - १. विशिष्टपुरस्कारः (चतुर्थस्थानम् -10,000 रूप्यकाणि)

२. सर्वोत्तमसमन्वयपुरस्कारः

रूपके सर्वोत्तम-अभिनयपुस्काराः

प्रथमपुरस्कारः - गौरवशर्मा (रावणः)

द्वितीयपुरस्कारः - हेमराजः (श्रीरामः)

तृतीयपुरस्कारः - ऋषिगौतमः (माल्यवान्)

प्राप्तपुरस्काराः प्रतिभागिनः छात्राः -

क्रमसं	विद्यार्थिनाम्	कक्षा	नाटके पात्रनाम
1.	हेमराजः	आचार्य 1 वर्षम्	श्रीरामः
2.	ज्योतिः	शास्त्री 3 वर्षम्	सीता
3.	प्रीति हीरा	शास्त्री 3 वर्षम्	उर्मिला, मोरनी
4.	लक्ष्य कुमारः	शास्त्री 2 वर्षम्	लक्ष्मणः
5.	श्रुति देवी	शास्त्री 1 वर्षम्	मन्दोदरी
6.	विवेक शर्मा	शास्त्री 3 वर्षम्	परशुरामः, प्रहस्तः
7.	दीपक शर्मा	आचार्य 1वर्षम्	तापसः, दशरथः, हनूमान्
8.	दिवांशु मोदगिलः	शास्त्री 1 वर्षम्	विश्वामित्रः, वानरः
9.	मधुबाला	शास्त्री 3 वर्षम्	ताटका, शूर्पणखा, त्रिजटा
10.	वंशिका	शास्त्री 1 वर्षम्	नटी, मृगः
11.	वैष्णवी	शास्त्री 3 वर्षम्	मन्थरा, सखी
12.	शुभम्	शास्त्री 1 वर्षम्	जटायुः, वानरः
13.	ऋषि गौतमः	शास्त्री 3 वर्षम्	माल्यवान्
14.	गौरव शर्मा	शास्त्री 2 वर्षम्	रावणः
15.	आदित्य शर्मा	शास्त्री 1 वर्षम्	सूत्रधारः, भरतः, ब्राह्मणः
16.	पंकज शर्मा	आचार्य 1 वर्षम्	तापसः
17.	चैतन्यचरणदासः	शास्त्री 2 वर्षम्	कुशध्वजः, वाली, वानरः
18.	शम्मी कुमारः	शास्त्री 3 वर्षम्	तापसः, प्रतिहारी

Scanned with OKEN Scanner

उत्तरक्षेत्रीययुवमहोत्सवः (दिनांकः- 20-02-2023)

आयोजकसंस्था- केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः, श्रीरणवीरपरिसरः जम्मूः

महाविद्यालयेन प्राप्ताः पुरस्काराः -

क्रं सं	प्रतियोगिता	नाम	कक्षा	पुरस्कारः
1.	एकलगीतम्	ज्योतिबाला	शास्त्री 1 वर्षम्	स्वर्णपदकम्
2.	बैडमिंटन-सिंगल्स	वंशिका	शास्त्री 1 वर्षम्	स्वर्णपदकम्
3.	वार्तालेखनम्	ज्योतिः	शास्त्री 3 वर्षम्	रजतपदकम्
4.	चतुरंगम् (चैस)	पलक ठाकुरः	शास्त्री 1 वर्षम्	रजतपदकम्
5.	धावनम्-४०० मी.	अंजू देवी	शास्त्री 3 वर्षम्	रजतपदकम्
6.	समूहनृत्यम्	आरती सोनी वैष्णवी प्रीतिहीरा वैष्णवी शर्मा सोनिया सोनी श्वेता देवी	शास्त्री 3 वर्षम् शास्त्री 3 वर्षम् शास्त्री 3 वर्षम् प्राकशास्त्री 2 वर्षम् प्राकशास्त्री 2 वर्षम् प्राकशास्त्री 2 वर्षम्	रजतपदकम्
7.	मल्लयुद्धम् (कुश्ती)	भेदिषः	आचार्य 2 वर्षम्	कांस्यपदकम्
8.	समूहगानम्	ज्योतिः ज्योतिबाला अनुराधा वैष्णवी वैष्णवी शर्मा	शास्त्री 3 वर्षम् शास्त्री 1 वर्षम् प्रा.शा. 1 वर्षम् प्रा.शा. 2 वर्षम् शास्त्री 3 वर्षम्	कांस्यपदकम्

२०२२-२३ तमे सत्रे सर्वप्रथमप्रवेशः - कृतिका, शास्त्रिप्रथमवर्षम्

हिमाचलप्रदेश -संस्कृतमहाविद्यालयीयच्छात्राणां द्विदिवसीयप्रतिस्पर्धाः

आयोजिका- हिमाचलप्रदेशसंस्कृत-अकादमी, शिमला (हि.प्र.) 10-11 फरवरी, 2023

महाविद्यालयेन प्राप्ताः पुरस्काराः -

क्रं सं	स्पर्धायाः नाम	स्पर्धार्थिनः नाम	कक्षा	पुरस्कारः
१ष	संस्कृत -गीतिका -प्रतियोगिता	ज्योतिबाला	शास्त्री प्रथमवर्षम्	प्रथमः
२ष	संस्कृतलघुनाटिका	ज्योतिः हेमराजः दीपक शर्मा लक्ष्य शर्मा चैतन्यचरणदासः गौरव शर्मा मधुबाला शुभम	शास्त्री 3 वर्षम् आचार्य 1 वर्षम् आचार्य 1 वर्षम् शास्त्री 2 वर्षम् शास्त्री 2 वर्षम् शास्त्री 2 वर्षम् शास्त्री 3 वर्षम् शास्त्री 1 वर्षम्	प्रथमः

Scanned with OKEN Scanner

3.	संस्कृतभाषण-प्रतियोगिता	ज्योतिः	शास्त्री तृतीयवर्षम्	द्वितीयः
4.	श्लोकोच्चारण-प्रतियोगिता	ज्योतिः	शास्त्री तृतीयवर्षम्	द्वितीयः
5.	सद्योभाषण-प्रतियागिता	दीपक शर्मा	आचार्यः प्रथमवर्षम्	द्वितीयः
6.	लघुप्रश्नोत्तरी	ज्योतिः शिल्पा शर्मा	शास्त्री तृतीयवर्षम् शास्त्री तृतीयवर्षम्	तृतीयः

विजयवैजयन्ती (चलविजयोपहारः) सर्वाधिकस्पर्धासु पुरस्कारप्राप्तये महाविद्यालयेन चलविजयोपहारः प्राप्तः

खण्डस्तरीयसांस्कृतिकप्रतियोगिता (18-11-2022) आयोजकसंस्था-युवा-खेलसेवाविभाग, ऊना

प्राप्तपुरस्काराणां सूची

1. एकांकी प्रतियोगिता - प्रथमपुरस्कारः

शीर्षकम् अन्धनगरी भ्रष्टराजा - निर्देशकः - डॉ. मुकेशकुमारः, डॉ. अविनाशमिश्रः

प्रतिभागिनः - वैष्णवी, इन्दुबाला, चांदनी शर्मा, प्रीतिहीरा, अनामिका ठाकुरः, हेमराजः, पंकजः, ध्रुवशर्मा, चैतन्यचरणदासः, अंकितः, अक्षितशर्मा, पंकजशर्मा

2. हारमोनियम-वादनप्रतियोगिता - प्रथम-पुरस्कारः

प्रतिभागी - अनुराधा (प्रा. शा. प्रथम वर्षम्)

3. समूहगान-प्रतियोगिता - प्रथम-पुरस्कारः

प्रतिभागिनः - ज्योतिः, ज्योतिबाला, शैलजा, उर्मिला, अनुराधा, शिल्पा, गौरव शर्मा

4. लोकनृत्य-प्रतियोगिता - द्वितीय-पुरस्कारः

प्रतिभागिनः - आरती, वैष्णवी, सपना, मंजू, आकृतिः, वैष्णवी शर्मा, श्वेता शर्मा, अर्चना, सोनिया, आंचल

राज्यस्तरीया शास्त्रीयस्पर्धा (दिनांकः- 17-18 दिसम्बर, 2022) आयोजकसंस्था - वेदव्यासपरिसरः, बलाहरः, काँगड़ा

पुरस्कारं प्राप्तवतां महाविद्यालयच्छात्राणां सूची

क्रं सं	स्पर्धायाः नाम	स्पर्धार्थिनः नाम	कक्षा	पुरस्कारः
1.	सुभाषितकण्ठपाठः	ज्योतिः	शास्त्री तृतीयवर्षम्	प्रथमः
2.	अक्षरश्लोकी	ज्योतिः	शास्त्री तृतीयवर्षम्	प्रथमः
3.	न्यायभाषणम्	राजकुमारी	शास्त्री तृतीयवर्षम्	प्रथमः
4.	वेदान्तभाषणम्	प्रीतिहीरा	शास्त्री तृतीयवर्षम्	प्रथमः
5.	काव्यश्लाका	दीक्षा	शास्त्री द्वितीयवर्षम्	प्रथमः
6.	आयुर्वेदभाषणम्	अजय कुमारः	शास्त्री तृतीयवर्षम्	प्रथमः
7.	मीमांसाभाषणम्	शिल्पा शर्मा	शास्त्री तृतीयवर्षम्	प्रथमः
8.	साहित्यभाषणम्	नेहा कौण्डल	आचार्य प्रथमवर्षम्	द्वितीयः
9.	सांख्ययोगभाषणम्	अल्का देवी	शास्त्री तृतीयवर्षम्	द्वितीयः
10.	जैनबौद्धभाषणम्	अनामिका ठाकुरः	शास्त्री तृतीयवर्षम्	द्वितीयः
11.	अष्टाध्यायीकण्ठपाठ	दीक्षित शर्मा	शास्त्री द्वितीयवर्षम्	द्वितीयः
12.	काव्यकण्ठपाठ	साक्षी कौशलः	शास्त्री द्वितीयवर्षम्	द्वितीयः
13.	धर्मशास्त्रभाषणम्	अभिषेक कुमारः	शास्त्री तृतीयवर्षम्	द्वितीयः
14.	शास्त्रस्फूर्तिस्पर्धा	ज्योतिः शिल्पा शर्मा	शास्त्री तृतीयवर्षम् शास्त्री तृतीयवर्षम्	तृतीयः तृतीयः

***छात्रवृत्तयः (सत्रम्-२०२१-२२)* Scholarship (Session-2021-22)**

देहलीस्थकेन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयेन प्रदत्ताः छात्रवृत्तयः

Scholarship given by Central Sanskrit University, New Delhi

Scanned with OKEN Scanner

प्राणफाउंडेशन-चण्डीगढ्द्वारा प्रदत्तः संस्कृतधरोहरपुरस्कारः

Sanskrit Heritage Prize given by Pran Foundation, Chandigarh

क्रं.सं.	विद्यार्थिनाम	कक्षा	सत्रम्	राशिः
१.	अंजू देवी	शास्त्रितृतीयवर्षम्	२०२२-२३	५०००/-रूप्यकाणि

क्रीडाव्यवस्था Sports-Activities

महाविद्यालये विविधानां क्रीडानां सामान्या व्यवस्था अस्ति । तदर्थं प्रवेशानन्तरं क्रीडाप्रभारिणः पार्श्वे पंजीकरणमावश्यकम् । अस्य महाविद्यालयस्य नियमितैः विद्यार्थिभिः एव क्रीडादलेषु पंजीकरणं कारयितुं शक्यते नान्यैः । राष्ट्र-क्षेत्रीय-राज्यस्तरीयासु उत अन्तर्महाविद्यालयीयप्रतिस्पर्धासु अपि यथासमये विद्यार्थिनः प्रेषयिष्यन्ते । अभ्यासार्थम् अध्यापनसमयानन्तरमपि क्रीडार्थिनो महाविद्यालये स्थातुं शक्नुवन्ति । क्रीडाशिक्षकत्वेन महाविद्यालयस्य प्राचार्यः डॉ. *लालसिंहपठानिया* स्वयमेव दायित्वं निर्वक्ष्यति । महाविद्यालये अधोलिखितानां क्रीडानां व्यवस्था सर्वेषां कृते वर्तते ।

१. *हस्तकन्दुकम्* (Volleyball) २. *कङ्कपत्रक्रीडा* (Badminton)

व्याख्यानमाला (Lecture Series)

शास्त्राध्ययने विद्यार्थिनां रुचिवर्धनाय शास्त्रनैपुण्यसम्पादनाय च शास्त्रीयव्याख्यानमाला २००२ तमे वर्षे महाविद्यालये समारब्धा । आदौ अस्य स्वरूपं महाविद्यालयस्तरीयमासीत्। तत्र केवलं प्राचार्यप्राध्यापकानामेव व्याख्यानानि सम्पादितानि। तत इतोऽपि व्यापकं कर्तुं राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानस्यार्थिकसहयोगेन २०१४ तमवर्षतः अस्याः व्याख्यानमालायाः आयोजनं सततं भवति।

अस्मिन् प्रक्रमे प्रो. हरेरामत्रिपाठी (पूर्वाध्यक्षः), प्रो. रमाकांत पाण्डेयः, प्रो. पीयूषकान्तदीक्षितः, प्रो. शुद्धानन्दपाठकः, प्रो. लेखरामशर्मा, प्रो. जयकान्तशर्मा, प्रो. कुलदीपचन्दः अग्निहोत्री, प्रो. वेदप्रकाश उपाध्यायः, प्रो. नरसिंहचरणपण्डा, प्रो. कृष्णमुरारीशर्मा, प्रो. विद्यानन्दझाः, डॉ. सुन्दरनारायणझाः, डॉ. शिवशंकरशर्मा, डॉ. ओमदत्तसरोचः, डॉ नरोत्तमदत्तशर्मा, डॉ. कामदेवझाः, डॉ. बृहस्पतिमिश्रः, डॉ. आदेशकुमारः, डॉ. जगदेवः, श्रीशिवकुमारकश्यपः, प्रो. विनोदकुमारशर्मा, डॉ. सोमदत्तशर्मा, डॉ. ज्ञानेश्वरशर्मा, डॉ. सन्नीकुमारः, डॉ. शिव कुमारः, डॉ.अमित शर्मा, डॉ. रामकुमार नेगी, डॉ. राजिन्द्रकुमारः, डॉ. शशीकुमारः, डॉ. प्रेमप्रकाशशर्मा, डॉ. कमलकांतः, डॉ. अशोकुमारः, डॉ. बालकृष्णसोनी, डॉ. अजयशर्मा, डॉ. प्रदीपशर्मा, डॉ. अनुराधा, श्री अरूणकुमारः, श्री अश्वनीकुमारः, श्री सचिनशर्मा प्रभृतयो विद्वांसो बहुधा व्याख्यानेन छात्रान् बोधितवन्तः। एषां व्याख्यानेन महाविद्यालयपरिवारः क्षेत्रीयनागरिकाश्च लाभान्विताः अभवन्।

वाग्वर्द्धिनी

महाविद्यालये पाक्षिकी वाग्वर्द्धिनीसभा आयोज्यते। अस्यां सभायां विद्यार्थिनां सहभागिता अनिवार्या। अत्र सर्वेभ्यः छात्रेभ्यः वाक्पटुतासम्पादनाय विशेषप्रशिक्षणं प्रदीयते। सामान्यरूपेण मुख्यविषया अधोलिखितानुसारेण भवन्ति।

१. शास्त्रीयविषयेषु भाषणप्रशिक्षणम् २. विविधविषयेषु हिन्दी-आङ्ग्लयोर्भाषणम्। ३. श्लोकोच्चारणम् ।
४. संस्कृतगीतिकागानम्। ५. संस्कृतलघुप्रश्नोत्तरीप्रशिक्षणम्। ६. दर्शनशलाकापरीक्षाप्रशिक्षणम्।
७. श्लोकसूत्रान्त्याक्षरीप्रशिक्षणम्। ८. श्रीमद्भगवद्गीतापाठप्रशिक्षणम्। ९. वेदमन्त्रोच्चारणप्रशिक्षणम्।
१०.शास्त्रार्थप्रशिक्षणम् । ११. वार्तालेखनप्रशिक्षणम् १२. हिन्दीकवितालेखनप्रशिक्षणम् ।

Scanned with OKEN Scanner

महाविद्यालयसमितयः

(College-Committees)

प्रवेशसमितिः (Admission-Committee)

कक्षा	प्रवेशदायित्वम्
प्राक्शास्त्री-I, II	डॉ. कृष्णादेवी
शास्त्री-I	डॉ. रविदत्तशर्मा
शास्त्री- II	डॉ. राजिन्द्रकुमारशर्मा
शास्त्री- III	डॉ. कृष्णमोहनपाण्डेयः
आचार्यः- I	डॉ. केदारदत्तपुरोहितः
आचार्यः-II	डॉ. मुकेशकुमारः

छात्रकल्याणसमितिः (Student-Welfare Committee)

अध्यक्षः	**डा० लालसिंहपठानिया, प्राचार्यः (प्र०)**
सदस्यः	डॉ. राजिन्द्रकुमारशर्मा
सदस्यः (छात्रः)	प्रवेशानन्तरम्
सदस्यः (छात्रा)	प्रवेशानन्तरम्
सदस्यसचिवः:-	डॉ. केदारदत्त पुरोहित

विद्यार्थिनां विविधसमस्यानिदानाय शिक्षणानुशासनादिविकासकार्येषु सहभागितायै च एषा समितिः रचिता । शिक्षणप्रशिक्षणसम्भाषणकौशलपूर्वकगुणवत्तावर्धनाय च महाविद्यालये सततं प्रयतते।

रैगिंगनिषेधसमितिः (Anti-Ragging Committee)

अध्यक्ष :-	**डा० लालसिंहपठानिया, प्राचार्यः (प्र०)**
सदस्य :-	डॉ. कृष्णादेवी
सदस्य :-	डॉ. मुकेशकुमारः
छात्रप्रतिनिधिसदस्य :-	प्रधानः, छात्रकल्याणपरिषद्
सदस्यसचिव :-	डॉ. राजिन्द्रकुमारशर्मा

महिलासुरक्षाप्रकोष्ठः (Women Security Cell)

अध्यक्ष :-	***डॉ. राजिन्द्रकुमारशर्मा***
सदस्य :-	डॉ. कृष्णमोहनपाण्डेयः
छात्रप्रतिनिधिसदस्य :-	(प्रवेशाऽनन्तरम् आचार्यकक्षातः)
सदस्यसचिव :-	डॉ. कृष्णादेवी

स्वास्थ्यसमितिः (Health Committee)

अध्यक्ष :-	**डा० लालसिंहपठानिया, प्राचार्यः (प्र०)**
सदस्यः-	डॉ. कृष्णादेवी
सदस्यः-	श्री रविः (लेखाकारः)
सदस्यसचिवः-	दर्शनप्राध्यापकः

Scanned with OKEN Scanner

स्वच्छभारत-अभियानम्, आपदाप्रबन्धनपरिसरसज्जासमितिः
(Clean India Campaign, Disaster-Management & Campus Greening)

अध्यक्ष :-	डॉ. केदारदत्तपुरोहितः
सदस्य :-	डॉ. राजिन्द्रकुमारशर्मा
सदस्यः-	डॉ. मुकेशकुमारः
सदस्यसचिवः	डॉ. कृष्णमोहनपाण्डेयः

उपस्करक्रयविक्रय/मुरम्मतसमिति

अध्यक्षः	डा० लालसिंहपठानिया, प्राचार्यः (प्र०)
सदस्यः	डॉ. केदारदत्तशर्मा
सदस्यः	डॉ. रविदत्तशर्मा
सदस्यः	डॉ. राजिन्द्रकुमारशर्मा
सदस्यः	श्रीरविः, लेखाकारः

पुस्तकालयसमितिः
(Library Committee)

अध्यक्षः	डा० लालसिंहपठानिया, प्राचार्यः (प्र०)
सदस्यः-	डॉ. राजिन्द्रकुमारशर्मा
सदस्यः-	डॉ. रविदत्तशर्मा
सदस्यः-	डॉ. कृष्णमोहनपाण्डेयः
सदस्यसचिवः-	श्रीमति अञ्जुकुमारी

क्रीडासमितिः
(Sports Committee)

अध्यक्षः	डा० लालसिंहपठानिया, प्राचार्यः (प्र०)
सदस्यः-	डॉ. रविदत्तशर्मा
सदस्यः-	डॉ. कृष्णादेवी
सदस्यः-	श्रीरविः, लेखाकारः
सदस्यसचिवः-	डॉ. मुकेशकुमारः

योगसमितिः
(Yoga Committee)

अध्यक्षः	डा० लालसिंहपठानिया, प्राचार्यः (प्र०)
सदस्यः-	डॉ. राजिन्द्रकुमारशर्मा
सदस्यः-	श्रीरविः, लेखाकारः
सदस्यसचिवः-	दर्शनप्राध्यापकः

Scanned with OKEN Scanner

सर्वाः समितयः प्राचार्यमहोदयस्य अनुपस्थितौ आपत्काले अपरिहार्यत्वात् च लिखितरूपेण कार्यं कर्तुं शक्नुवन्ति, किन्तु तदनन्तरं प्राचार्यमहोदयस्य अनुमोदनम् आवश्यकं भविष्यति।

ध्यातव्यम् **(Note)**- उच्चतमन्यायालय-भारतसर्वकारस्य हिमाचलप्रदेशविश्वविद्यालयस्य चादेशानुसारं महाविद्यालयपरिसरे *रैगिंग* इत्यस्मिन् पूर्णतया प्रतिबन्धोऽस्ति। महिलाछात्राणां कुत्रापि हीनभावना असुरक्षाभावना छात्रेषु उद्दण्डता च न भवेत् इति उद्देश्येन समितिरियम्।

शिक्षामन्त्रालयभारतसर्वकारस्य आदर्शमहाविद्यालययोजनान्तर्गताः

केन्द्रीय-आदर्शमहाविद्यालयस्य समितयः

प्रबन्धसमितिः (Management Committee)

पदम्	*नाम*	*दायित्व/स्थानम्*	*प्रतिनिधित्वम्*
अध्यक्षः	*प्रो. एम. चन्द्रशेखरः*	प्राचार्यचरः, केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः, श्री रघुनाथकीर्तिपरिसरः, देवप्रयागः, उत्तराखण्डः	केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः, जनकपुरी, नवदेहली
सदस्यः	कुलसचिवः/ कुलपतिमहोदयद्वारा नामितोऽधिकारी	केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः, जनकपुरी, नवदेहली	केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः, जनकपुरी, नवदेहली
सदस्यः	*डॉ. चमनलालबड्गा*	प्रतिनिधिसदस्यः हिमाचलप्रदेशविश्वविद्यालयः, शिमला, हिमाचलप्रदेशः	हिमाचलप्रदेशविश्वविद्यालयः, शिमला, हिमाचलप्रदेशः
सदस्यः	*डॉ. सत्येन्द्रकुमारः*	प्रतिनिधिसदस्यः, हि.प्र. शिक्षाविभागः, राज्यसर्वकारः	हिमाचलप्रदेशशिक्षाविभागः, शिमला, हिमाचलप्रदेशः
सदस्यः	*श्री लेखराजः*	सचिवः, सनातनधर्मसभा, डोहगी	मातृसंस्था सनातनधर्मसभा, डोहगी
सदस्यः	*डॉ. केदारदत्तपुरोहितः*	प्रतिनिधिः स.ध.आ.संस्कृत- महाविद्यालयः, डोहगी	महाविद्यालयप्राध्यापकः, कर्मचारीवर्गस्य
प्राचार्य एवं सदस्यसचिवः	*डॉ. लालसिंहपठानिया*	प्राचार्यः (प्र.) सनातनधर्म-आदर्शसंस्कृतमहाविद्यालयः, डोहगी, ऊना	स्थानीयमहाविद्यालयस्य

Scanned with OKEN Scanner

वित्तसमिति : (Financial Committee)

पदम्	नाम	दायित्व/स्थानम्	प्रतिनिधित्वम्
अध्यक्षः	प्रो. एम. चन्द्रशेखरः	प्राचार्यचरः, केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः, श्री रघुनाथकीर्तिपरिसरः, देवप्रयागः, उत्तराखण्डः	केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः, जनकपुरी, नवदेहली
सदस्यः	कुलसचिवः / कुलपतिमहोदयद्वारा नामितोऽधिकारी	केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः, जनकपुरी, नवदेहली	केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः, जनकपुरी, नवदेहली
सदस्यः	डॉ. चमनलालबड्गा	प्रतिनिधिसदस्यः, हिमाचलप्रदेशविश्वविद्यालयः, शिमला, हिमाचलप्रदेशः	हिमाचलप्रदेशविश्वविद्यालयः, शिमला, हिमाचलप्रदेशः
सदस्यः	डॉ. सत्येन्द्रकुमारः	प्रतिनिधिसदस्यः, हि.प्र. शिक्षाविभाग, राज्यसर्वकारः	हिमाचलप्रदेशशिक्षाविभागः, शिमला, हिमाचलप्रदेशः
प्राचार्य एवं सदस्यसचिवः	डॉ. लालसिंहपठानिया	प्राचार्यः (प्र.) सनातनधर्म-आदर्शसंस्कृतमहाविद्यालयः, डोहगी, ऊना	स्थानीयमहाविद्यालयस्य

भवनसमितिः (Building Committee)

पदम्	नाम	दायित्वम्/स्थानम्	प्रतिनिधित्वम्
अध्यक्षः	प्रो. एम. चन्द्रशेखरः	प्राचार्यचरः, केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः, श्री रघुनाथकीर्तिपरिसरः, देवप्रयागः (उत्तरा.)	केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः, जनकपुरी, नवदेहली
प्राचार्य एवं सदस्यसचिवः	डॉ. लालसिंहपठानिया	प्राचार्यः (प्र.) सनातनधर्म-आदर्शसंस्कृतमहाविद्यालयः, डोहगी, ऊना	स्थानीयमहाविद्यालयस्य
सदस्यः	डॉ. राजिन्द्रकुमारशर्मा	स.ध.आ.संस्कृतमहाविद्यलयः,डोहगी प्राचार्यद्वारानामितः	महाविद्यालयस्य
सदस्यः	डॉ. रविदत्तशर्मा	स.ध.आ.संस्कृतमहाविद्यालयः डोहगी प्राचार्यद्वारानामितः	महाविद्यालयस्य
सदस्यः	मुनीलसिंहठाकुरः	हिमाचलप्रदेशलोकनिर्माणविभागप्रतिनिधिः	हिमाचलप्रदेशस्य

Scanned with OKEN Scanner

शैक्षणिकसमितिः (Academic Committee)

पदम्	नाम	दायित्वम्/स्थानम्	प्रतिनिधित्वम्
अध्यक्षः	प्रो. एम. चन्द्रशेखरः	प्राचार्यचरः, केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः, श्री रघुनाथकीर्तिपरिसरः, देवप्रयागः (उत्तरा.)	केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः, जनकपुरी, नवदेहली
सदस्यः	कुलपतिमहोदयद्वारा नामितोऽधिकारी	केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः, जनकपुरी, नवदेहली	केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः, जनकपुरी, नवदेहली
सदस्यः	कुलपतिमहोदयद्वारा नामितोऽधिकारी	केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः, समरहिल, शिमला	केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः, समरहिल, शिमला
प्राचार्य एवं सदस्यसचिवः	डॉ. लालसिंहपठानिया	प्राचार्यः (प्र.) सनातनधर्म-आदर्शसंस्कृतमहाविद्यालयः, डोहगी, ऊना	स्थानीयमहाविद्यालयस्य
सदस्यः	वरीयताक्रमानुसारम् प्राचार्यद्वारानामितः विभागानुसारं एकैकप्रतिनिधिसदस्यः	महाविद्यालयः, डोहगी	विविधविभागस्य प्रतिनिधित्वम्

१० पुस्तकालयः (Library)

महाविद्यालयस्य पुस्तकालये संस्कृत-हिन्दी-आङ्ग्लपाठ्यक्रमस्य तद्भिन्नस्य च पुस्तकानि समुपलब्धानि सन्ति। नियमितप्रवेशानन्तरं विद्यार्थिनो निर्धारितसङ्ख्याकानि पुस्तकानि अध्ययनार्थं ग्रहीतुं शक्नुवन्ति। तदर्थं पुस्तकालयवर्त्तनपुस्तिका प्राप्तव्या भविष्यति। तया विना पुस्तकानि न दास्यन्ते। एतदर्थं पुस्तकालयसुरक्षाधनं निम्नप्रकारेण दातव्यं भविष्यति

	कक्षा	रुप्यकाणि
१.	प्राक्शास्त्रिकृते	३००-०० रुप्यकाणि
२.	शास्त्रिकृते	५००-०० रुप्यकाणि
३.	आचार्यकक्षाकृते	६००-०० रुप्यकाणि

सुरक्षितं धनं वार्षिकपरीक्षोपरान्तं परञ्च घोषितपरिणामे मार्चमासस्य मध्ये एव दातुं शक्यते तदनन्तरं च आदेयं भविष्यति। पुस्तकग्रहणसमये एव पुस्तकं कस्यामवस्थायामस्ति इत्यस्य उल्लेखः सम्बन्धितप्रभारिणा कारयितव्यः। प्राध्यापकानां प्रबन्धसमितिसदस्यानाञ्चातिरिक्तं बहिरागतेभ्यः पुस्तकेच्छुकेभ्यः पुस्तकालयसुविधा नैव दास्यते। शिक्षकेभ्योऽनिवार्या। वर्त्तनपुस्तिकासु नूतनं छायाचित्रमपि अत्यावश्यकम्।

Scanned with OKEN Scanner

पुस्तकालये पठितुम् उपलभ्यमानाः पत्रिकाः शोधपत्रिकाश्च
(In Library Readable Journals & Research Journals)

१. संस्कृतमञ्जरी २. संस्कृतसम्भाषणसन्देशः ३. विश्वज्योतिः
४. विश्वसंस्कृतम्

दैनिकसमाचारपत्राणि (Daily-Newspapers)

१. पञ्जाब केसरी २. दिव्य हिमाचल ३. अमर उजाला
४ण दैनिक भास्कर ५. दैनिक जागरण

वार्षिकी योजना (Annual Planning)

१. महिलाछात्रावासनिर्माणाय भूमेरधिग्रहणम्।
२. मुख्यद्वारनिर्माणम्।
३. विद्यावारिधेः मार्गदर्शनाय स्वीकृतिः।
४. पूर्वस्नातकसम्मेलनम्।
५. राष्ट्रिया सङ्गोष्ठी।

२०२३-२४ सत्रनिमित्तं महाविद्यालयेन प्रस्तावितविशेषायोजनानि
Proposed Celebrations by College for Session 2023-24

विश्वयोगदिवसः	२१ जून, २०२३
व्यासपूर्णिमा/गुरूपूर्णिमा	१३ जुलाई, २०२३
संस्कृतसप्ताहः	१२.१८ अगस्त, २०२३
स्वतन्त्रतादिवसः	१५ अगस्त, २०२३
शिक्षकदिवसः	०५ सितम्बर, २०२३
गीताजयन्यती	२२ दिसम्बर, २०२३
संस्कृतसम्भाषणशिबिरम्	सत्रारम्भे/संस्कृतसप्ताहावसरे
वाग्वर्द्धिनीसभा	पाक्षिकी
व्याख्यानमाला	यथावसरः
राष्ट्रियसङ्गोष्ठी	यथावसरः
राज्यस्तरीयस्पर्धा	यथावसरः
क्रीडास्पर्धा	आवर्षम्
रामचरितमानस-अखण्डपाठः	सत्रान्ते
सौप्रस्थानिकसमारोहः	सत्रान्ते
वार्षिकोत्सवः	सत्रान्ते

Scanned with OKEN Scanner

अवकाशनिमित्तं महाविद्यालयस्य वार्षिकपंचाङ्गम् - २०२३

(Annual Calendar of college for Leaves)

पूर्णराज्यदिवस	२५ जनवरी, २०२३
गणतन्त्रदिवसः	२६ जनवरी,२०२३
गुरूरविदासजयन्ती	०५ फरवरी, २०२३
महाशिवरात्रिः	१८ फरवरी, २०२३
होली	०८ मार्च, २०२३
रामनवमी	३० मार्च, २०२३
गुडफ्राईडे	०७ अप्रैल, २०२३
डॉ. बी. आर. अम्बेडकरजयन्ती	१४ अप्रैल, २०२३
हिमाचलदिवसः, **Good Friday**	१५ अप्रैल, २०२३
परशुरामजयन्ती	२२ अप्रैल, २०२३
बुद्धपूर्णिमा	०५ मई, २०२३
महाराणाप्रतापजयन्ती	२२ मई, २०२३
सन्तकबीरजयन्ती	०४ जून, २०२३
ईद-उल-जुहा (बकरीद)	२९ जून, २०२३
मुहर्रम	२९ जुलाई, २०२३
स्वतन्त्रतादिवसः	१५ अगस्त, २०२३
श्रीकृष्णजन्माष्टमी	०७ सितम्बर, २०२३
गान्धीजयन्ती	०२ अक्तूबर, २०२३
दशहरा	२४ अक्तूबर, २०२३
महर्षिवाल्मीकिजयन्ती	२८ अक्तूबर, २०२३
दीपावली	१२ नवम्बर, २०२३
गुरूनानकप्रकटोत्सवः	२७ नवम्बर, २०२३
क्रिसमिस-डे	२५ दिसम्बर, २०२३

अवकाशाः महिलावर्गकृते -

रक्षाबन्धनम्	३० अगस्त, २०२३
कर्कचतुर्थी (करवाचौथ)	०१ नवम्बर, २०२३
भातृद्वितीया	१५ नवम्बर, २०२३

वैकल्पिका अवकाशाः

नववर्षदिवसः	०१ जनवरी, २०२३
लोहड़ी	१३ जनवरी, २०२३
मकरसङ्क्रान्तिः/पोङ्गलः	१४ जनवरी, २०२३
वसन्तपञ्चमी	२६ जनवरी, २०२३
स्वामीदयानन्दसरस्वतीजयन्ती	१५ फरवरी, २०२३
महावीरजयन्ती	०४ अप्रैल, २०२३
ईस्टर सण्डे	०९ अप्रैल, २०२३

Scanned with OKEN Scanner

गणेशचतुर्थी	१६ सितम्बर, २०२३
महाष्टमी	२२ अक्तूबर, २०२३
गोवर्धनपूजा	१३ नवम्बर, २०२३
श्रीगुरूतेगबहादुरदिवसः	२४ नवम्बर, २०२३
क्रिसमसरात्रिः	२४ दिसम्बर, २०२३

१३ *प्रवेशसमये देयशुल्कविवरणम्* (Detail of Admission Fees)

क्रं.	*वार्षिकम्*	*रूप्यकाणि*
१.	प्रवेशशुल्कम् (प्रतिसत्रम्)	25-00
२.	योग्यता-अन्तरङ्गपरीक्षाशुल्कम्	100-00
३.	स्वास्थ्यनिधिः	25-00
४.	परिसरसज्जा	10-00
५.	पुस्तकप्रवर्तनपुस्तकालयनिधिः	25-00
६.	उपस्करजीर्णोद्धारः क्रयश्च	10-00
७.	अभिज्ञानपत्रम् (I Card)	10-00
८.	पत्रिकानिधिः	50-00
९.	परीक्षाकेन्द्रशुल्कम्	500-00
१०.	वार्षिकपरीक्षाशुल्कम्	800-00
११.	विश्वविद्यालयसम्बद्धताशुल्कम्	100-00
१२.	छात्रसहायतानिधिः	15-00
१३.	सांस्कृतिककार्यक्रमनिधिः	20-00
१४.	संयुक्तनिधिः	(25 x 12)= 300
१५.	क्रीडानिधिः	(20 x 12)= 240
१६.	भवननिधिः	(10 x 12)= 120
१.	पुनः अभिज्ञानपत्रम्	20-00
२.	प्रथमपुनः प्रवेशशुल्कम्	100-00
३.	द्वितीयपुनः प्रवेशशुल्कम्	200-00

अनुपस्थिति-दण्डशुल्कम् (Absent-Fine)

१.	प्रवेशविलम्बशुल्कम् (प्रतिदिनम्)	10-00
२.	योग्यतापरीक्षायाम् अथवा गृहपरीक्षायाम् अनुपस्थितिः (प्रतिपत्रम्)	25-00

***जमा किया शुल्क लौटाया नहीं जायेगा ।**

*Fee once paid will not be refunded.

Scanned with OKEN Scanner

रविरुद्र-पितामह-विष्णुनुतं, हरिचन्दन-कुङ्कुम-पङ्कयुतम् ।
मुनिवृन्दगणेन्द्र-समानयुतं, तव नौमि सरस्वति ! पादयुगम् ।।

शशि-शुद्ध-सुधाहिम-धाम-निधिं, शरदम्बर-बिम्बसमानकरम् ।
बहुरत्नमनोहर-कान्तियुतं, तव नौमि सरस्वति ! पादयुगम् ।।

कनकाब्ज-विभूषित-भूतिभवं, भवभाव-विभाषित-भिन्नपदम् ।
प्रभुचित्त-समाहित-साधुपदं, तव नौमि सरस्वति ! पादयुगम् ।।

भवसागर-मज्जन-भीतिनुतं, प्रतिपादित-सन्तति-कारमिदम् ।
विमलादिक-शुद्ध-विशुद्धपदं, तव नौमि सरस्वति ! पादयुगम् ।।

मतिहीन-जनाश्रय-पारमिदं, सकलागम-भाषितभिन्न-पदम ।
परिपूरित-विश्वमनेकविधं, तव नौमि सरस्वति ! पादयुगम् ।।

परिपूर्ण-मनोरथ-धामनिधिं, परमार्थविचार-विवेकविधिम् ।
सुरयोषितसेवित-पादतलं, तव नौमि सरस्वति ! पादयुगम् ।।

सुरमौली-मणि-द्युति-शुभ्रकरं, विषयादि-महाभयभारहम ।
निजकान्ति-विलेपित-चन्द्रशिवं, तव नौमि सरस्वति ! पादयुगम् ।।

स्वगुणैक-कुलस्थिति-भीतियुतं, गुणगौरव-गर्वित-सत्यपदम् ।
कमलोदर-कोमल-पादतलं, तव नौमि सरस्वति ! पादयुगम् ।।

रविरुद्र-पितामह-विष्णुनुतं, हरिचन्दन-कुङ्कुम-पङ्कयुतम् ।
मुनिवृन्दगणेन्द्र-समानयुतं, तव नौमि सरस्वति ! पादयुगम् ।।

Scanned with OKEN Scanner

उडीसाप्रांते अखिलभारतीय रूपक महोत्सवे भाग ग्रहीतारः

उत्तरक्षेत्रीय जम्मूप्रांते युवमहोत्सवे भाग ग्रहीतारः

Scanned with OKEN Scanner

प्रधानमन्त्रिणा निर्देशिते 'परीक्षा पर चर्चा' कार्यक्रमे महाविद्यालयोपस्थितिः

हि० प्र० संस्कृत अकादमी द्वारा आयोजित-राज्यस्तरीय-स्पर्धायाम्

उत्कृष्ट स्थानभाजः प्रतिभागिनः

Shree Offset Printer's Bangana # 9805741330

Scanned with OKEN Scanner